एफ.एच.डी.–02

स्नातक उपाधि कार्यक्रम
(बी.डी.पी.)

सत्रीय कार्य
(जुलाई, 2023 एवं जनवरी, 2024 सत्रों के लिए)

पाठ्यक्रम कोड : एफ.एच.डी.–02
हिन्दी में आधार पाठ्यक्रम –02

इग्नू
जन-जन का विश्वविद्यालय
मानविकी विद्यापीठ
इन्दिरा गाँधी राष्ट्रीय मुक्त विश्वविद्यालय
मैदान गढ़ी, नई दिल्ली 110068

हिन्दी में आधार पाठ्यक्रम–02
सत्रीय कार्य

पाठ्यक्रम कोड : एफ.एच.डी.–02

प्रिय छात्र/छात्राओ!

'हिन्दी में आधार पाठ्यक्रम–02' में आपको एक सत्रीय कार्य करना है। यह सत्रीय कार्य शिक्षक जाँच सत्रीय कार्य (टी.एम.ए.) है। सत्रीय कार्य के लिए 100 अंक निर्धारित किये गये हैं। यह पाठ्यक्रम कुल चार क्रेडिट का है।

उद्देश्य : सत्रीय कार्य का मुख्य उद्देश्य यह जाँचना है कि आपने पाठ्य सामग्री को कितना समझा है और आप स्वयं उसे अपने शब्दों में कैसे प्रस्तुत कर सकते हैं। उद्देश्य यह भी है कि अध्ययन के दौरान जो कुछ आपने सीखा और समझा है उसे आलोचनात्मक ढंग से प्रस्तुत कर सकें। इस पाठ्यक्रम में संप्रेषण के विविध पक्षों से आपको परिचित कराया गया है, इस अध्ययन से आप संप्रेषण के विभिन्न पहलुओं की जानकारी प्राप्त कर सकेंगे। इसके अलावा इस पाठ्यक्रम में डायरी, पत्र, रिपोर्ताज, यात्रा वृत्तांत और जीवनी जैसी साहित्यिक विधाओं से भी आपको परिचित कराया गया है। सत्रीय कार्य से आप यह जाँच सकेंगे कि आपने पाठ्यक्रम में प्रस्तुत सामग्री को कितना समझा है।

निर्देश : सत्रीय कार्य आरंभ करने से पूर्व निम्नलिखित बातों को ध्यान से पढ़िए :

1. ऐच्छिक पाठ्यक्रम के लिए कार्यक्रम दर्शिका में दिए गए विस्तृत निर्देशों का सावधानीपूर्वक अध्ययन कीजिए।
2. अपनी उत्तर पुस्तिकाओं के पहले पृष्ठ के दाएँ सिरे पर अनुक्रमांक, नाम, पूरा पता और दिनांक लिखिए।
3. अपनी उत्तर पुस्तिकाओं के प्रथम पृष्ठ के मध्य भाग में पाठ्यक्रम का शीर्षक, सत्रीय कार्य संख्या और अपने अध्ययन केन्द्र का उल्लेख करें।
4. उत्तर पुस्तिका का प्रथम पृष्ठ निम्न प्रकार से शुरू होगा :

अनुक्रमांक : ....
नाम : ....
पता : ....
....
....

पाठ्यक्रम का नाम/कोड : ....
सत्रीय कार्य कोड : ....
अध्ययन केन्द्र का नाम/कोड : .... दिनांक:..

---

5. उत्तर के लिए केवल फुलस्केप के आकार के कागज़ का इस्तेमाल करें और उन कागज़ों को अच्छी तरह से बाँध लें।
6. प्रत्येक उत्तर के पहले प्रश्न संख्या अवश्य लिखें और अपनी ही लिखावट में उत्तर दें।

7. सत्रीय कार्य पूरा करके जाँच के लिए अपने अध्ययन केन्द्र के संयोजक (Coordinator) के पास निर्धारित तिथि तक अवश्य जमा करा दें।

सत्रीय कार्य जमा करने की अंतिम तिथि :

जुलाई 2023 सत्र के लिए : 30 अप्रैल 2024
जनवरी 2024 सत्र के लिए : 31 अक्तूबर, 2024

सत्रीय कार्य के लिए आवश्यक निर्देश

सत्रीय कार्य में आपसे मुख्य रूप से तीन तरह के प्रश्न पूछे गए हैं। लंबे निबंधात्मक प्रश्नों के उत्तर लगभग 350–400 शब्दों में लिखने हैं तथा लघु निबंधात्मक प्रश्नों के उत्तर 150–200 शब्दों में देने हैं। इसके अलावा तीसरी श्रेणी के प्रश्नों के उत्तर निर्देशानुसार देने हैं।

उत्तर देने के लिए आप निम्नलिखित विधि से तैयारी करेंगे तो आपके लिए लाभप्रद होगा :

1. **अध्ययन** : सबसे पहले सत्रीय कार्य को ध्यान से पढ़िए। फिर इससे संबंधित इकाइयों का अध्ययन कीजिए। अंत में प्रत्येक प्रश्न के संबंध में सभी खास बातें नोट कर लीजिए और उन्हें तार्किक ढंग से पुनर्व्यवस्थित कीजिए।

2. **अभ्यास** : अपने उत्तर का प्रारूप लिखने से पूर्व नोट की गई बातों पर विचार कीजिए। निबंधात्मक या टिप्पणीपरक प्रश्नों में आरंभ और उपसंहार का विशेष ध्यान दीजिए। उत्तर के आरंभिक अंश में प्रश्न की संक्षिप्त व्याख्या और अपने उत्तर की दिशा का संकेत अवश्य दे देना चाहिए। मध्य भाग में आप उत्तर का मुख्य भाग आवश्यक विस्तार के साथ क्रमबद्ध और तार्किक ढंग से प्रस्तुत करें। उपसंहार में उत्तर का सार देना चाहिए।

यह सुनिश्चित कर लीजिए कि :

क) आपका उत्तर तार्किक और सुसंगत हो,
ख) वाक्यों और अनुच्छेदों (Paragraphs) के बीच स्पष्ट क्रमबद्धता हो,
ग) उत्तर सही ढंग से लिखा गया हो तथा जो आपकी अभिव्यक्ति, शैली और प्रस्तुति के पूर्णतया अनुकूल हो।
घ) उत्तर प्रश्न में निर्धारित शब्दों से अधिक लंबा न हो, और
ङ) आपके लेखन में भाषागत त्रुटियाँ न हों, विशेष रूप से मात्रा और व्याकरण संबंधी गलतियों से बचें।

3. **प्रस्तुति** : जब आप अपने उत्तर से पूर्णतया संतुष्ट हो जाएँ तो उसको साफ और सुंदर अक्षरों में उत्तर पुस्तिका में लिख लीजिए तथा जिन बातों पर आप ज़ोर देना चाहते हैं उन्हें रेखांकित कर दीजिए।

4. **विशेष** : अपने उत्तर की फोटो प्रति/कार्बन प्रति अपने पास अवश्य रखें।

शुभकामनाओं सहित!

नोट :	याद रखें कि विश्वविद्यालय के नए नियमानुसार परीक्षा में बैठने से पूर्व सत्रीय कार्य जमा कराना अनिवार्य है अन्यथा आपको परीक्षा में बैठने की अनुमति नहीं दी जाएगी।

सत्रीय कार्य
(खंड 1 से 4 पर आधारित)

पाठ्यक्रम कोड : एफ.एच.डी.–02
सत्रीय कार्य कोड : एफ.एच.डी.–02/टी.एम.ए./2023–24
कुल अंक : 100

खण्ड 'क'

1. निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर दीजिए :

(क) उच्चरित और लिखित भाषा के प्रकार्य पर प्रकाश डालिए। **15**

(ख) आख्यानपरक लेखन पर विस्तार से चर्चा कीजिए। **15**

(ग) पत्र विधा की विशेषताएं बताइए। **10**

(घ) सर्जनात्मक लेखन की भाषा पर प्रकाश डालिए **10**

खण्ड 'ख'

2. निम्नलिखित में से प्रत्येक का उत्तर 150–200 शब्दों में दीजिए :

(क) आंगिक संप्रेषण और भाषा को समझाइए। **5**

(ख) तार्किक लेखन के तात्पर्य को स्पष्ट कीजिए। **5**

(ग) यात्रा वृत्तांत की विशेषताएं बताइए। **5**

(घ) प्रोक्ति की संकल्पना और भूमिका सापेक्ष विकल्पन पर प्रकाश डालिए। **5**

खण्ड 'ग'

3. निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर दीजिए :

(क) साक्षात्कार के पाँच सिद्धान्तों का उल्लेख कीजिए। **5**

(ख) ''मैं तो ठहर गया – तू कब ठहरेगा?'' इसमें ठहरना क्रिया से कौन–कौन से अर्थ ध्वनित होते हैं? वर्णन कीजिए। **5**

(ग) रिपोर्ताज़ लेखन में रेणु की विशेषताओं पर अपने मत व्यक्त कीजिए। **5**

(घ) रेडियो और टी.वी समाचारों में प्रयुक्त भाषा की तुलना कीजिए। **5**

(ङ़) फीचर की भाषा पर टिप्पणी लिखिए। **5**

खण्ड–घ

4. **निम्नलिखित प्रश्नों के सही उत्तर का चुनाव कीजिए।** **5×1= 5**

(क) सुभद्रा कुमारी चौहान के चरित्र में निम्नलिखित में से कौनसा गुण था?

(i) दृढ़ता
(ii) विद्रोही
(iii) देशभक्ति
(iv) उपर्युक्त तीनों

(ख) निम्नलिखित में से कौन–सी कथात्मक गद्य विधा नहीं है?

(i) जीवनी
(ii) उपन्यास
(iii) नाटक
(iv) कहानी

(ग) सूर्यकांत त्रिपाठी 'निराला' के प्रिय कवि थे :

(i) पद्माकर और तुलसीदास
(ii) घनानंद और बिहारी
(iii) भारतेन्दु और जयशंकर प्रसाद
(iv) महादेवी और सुमित्रानंदन पंत

(घ) जैसे शरीर में रक्त प्रवाहित होता है, उसी प्रकार संस्मरण में –

(i) औपचारिकता (ii) अंतरंगता
(iii) अविश्वसनीयता (iv) उपर्युक्त तीनों

(ड़) निम्नलिखित में से जनसंचार माध्यमों की श्रेणी में किस–किसको शामिल करेंगे?

(i) टेलीफोन
(ii) टेलीविजन
(iii) पत्रिका
(iv) उपर्युक्त तीनों